शीर्ष पदों पर बैठे कार्यकारी भ्रष्टाचार में भी उस्ताद

नई दिल्ली, एजेंसी : सरकारी तंत्र ही नहीं बल्कि भारतीय उद्योग जगत में भी भ्रष्टाचार का खूब बोलबाला है। बाजार अनुसंधान एवं सलाहकार फर्म मार्केटिंग एंड डेवलपमेंट रिसर्च एसोसिएट्स के सर्वेक्षण के अनुसार शीर्ष पदों पर बैठे अधिकारी अपेक्षाकृत ज्यादा भ्रष्ट हैं। सर्वे के मुताबिक 86 प्रतिशत कर्मचारियों का मानना है कि भारतीय कॉरपोरेट जगत में भ्रष्टाचार एक आम बात है। अध्ययन के अनुसार कॉरपोरेट जगत में निचले स्तर की तुलना में वरिष्ठ कार्यकारी भ्रष्टाचार में ज्यादा लिप्त हैं। निचले प्रबंधन के स्तर पर भ्रष्टाचार का प्रतिशत 83.4 है, तो मध्यम स्तर पर यह 88.1 प्रतिशत है। वरिष्ठ कार्यकारियों के स्तर पर भ्रष्टाचार का स्तर 90.2 फीसदी है। दिलचस्प तथ्य है कि यदि शहरों के हिसाब से बात की जाए तो सबसे ज्यादा भ्रष्ट और सबसे कम भ्रष्ट दोनों पर ही दक्षिण भारतीय राज्यों का कब्जा है। चेन्नई में भ्रष्टाचार का स्तर सबसे ज्यादा है तो हैदराबाद में सबसे कम। चेन्नई में कॉरपोरेट जगत के 94 फीसदी कर्मचारियों का मानना है कि यहां भ्रष्टाचार सामान्य सी बात है जबकि हैदराबाद के 71 फीसदी कर्मचारियों ने ऐसी ही राय जाहिर की। सर्वेक्षण में शामिल लोगों का मानना है कि भ्रष्टाचार में सबसे ज्यादा धन का इस्तेमाल होता है। 39.2 फीसदी कर्मचारियों ने कहा कि भ्रष्टाचार धन के स्तर पर है। जबकि 17.1 प्रतिशत ने शोषण को भ्रष्टाचार का दूसरा सबसे बड़ा माध्यम बताया। धन और शोषण के अलावा भरोसे को तोड़ना व धोखाधड़ी भ्रष्टाचार के अन्य तरीके हैं जो कॉरपोरेट जगत में बड़ी आसानी से देखे जा सकते हैं। सर्वेक्षण में शामिल 36 फीसदी लोगों का कहना था कि नियुक्ति प्रक्रिया में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार होता है। 24 प्रतिशत का मानना था कि इसके बाद पदोन्नति या प्रदर्शन के आकलन आदि में भ्रष्टाचार का चलन है। करीब 22 प्रतिशत लोगों का कहना है कि खरीद में भ्रष्टाचार का इस्तेमाल होता है, जबकि 17 फीसदी की राय में परियोजना को लागू करने के दौरान सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार होता है। सर्वेक्षण में शामिल करीब 80 प्रतिशत लोगों का कहना है कि भारतीय कॉरपोरेट जगत में खाते में गड़बड़ी होती है। आईटी सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में कार्यरत 88 प्रतिशत कर्मचारियों के मुताबिक कंपनियों के बही खाते में पारदर्शिता नहीं होती है। सर्वेक्षण में दिल्ली, नोएडा, गुडगांव, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, कोलकाता, चेन्नई और हैदराबाद के 742 कर्मचारियों को शामिल किया गया था।

निजता नीति | सेवा की शर्तें | आपके सुझाव
इस पृष्ठ की सामग्री जागरण प्रकाशन लिमिटेड द्वारा प्रदान की गई है
कॉपीराइट © 2007 याहू वेब सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सर्वाधिकार सुरक्षित
कॉपीराइट / IP नीति